उत्तर प्रदेश GeM को पूर्ण रूप से अपनाने वाला पहला राज्य बना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश **भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी खरीद प्रक्रिया को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) के साथ पूरी तरह से एकीकृत कर दिया है।**

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश ने GeM को पूर्णतः अपनाकर **अपनी दीर्घकालिक निविदा प्रणाली को समाप्त कर दिया है।**
- इस एकीकरण के तहत सभी सेवा प्रदाताओं को, बुनियादी स्टेशनरी आपूर्तिकर्त्ताओं से लेकर आधिकारिक उपयोग के लिये **स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (SUV) प्रदान करने वालों तक,** केंद्र सरकार के नियमों का सख्ती से पालन करना **अनिवार्य है।**
- 26 नवंबर, 2024 को जारी व्यापक सरकारी आदेश 33 से अधिक पूर्व खरीद- संबंधी निर्देशों को रद्द कर देता है।
  - यह कदम GeM प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करता है, त्रुटियों और दुरुपयोग की संभावना को कम करता है तथा एक मानकीकृत खरीद प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।
- राज्य सरकार का **अनुमान है कि GeM-आधारित खरीद की ओर इस परिवर्तन से सालाना 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हो सकती है।**
  - यह प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और कुशल खरीद प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।
- उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने 18 अटल आवासीय विद्यालयों के लिये **गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा सामग्री खरीदने के लिये पहले ही GeM का लाभ उठाया है।** फर्नीचर और IT उपकरण सहित ये सामग्री शीघ्रता से और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर उपलब्ध कराई गई, जिससे शैक्षिक सुविधाओं के लिये उच्च मानक सुनिश्चित हुए।
  - GeM को पूर्ण रूप से अपनाने से उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता बढ़ने की आशा है।
- यह **राज्य के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है, जो कि व्यवसाय-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना** तथा सरकारी कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।
- यह पहल राज्य के महत्वाकांक्षी आर्थिक लक्ष्यों का भी समर्थन करती है तथा 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के इसके लक्ष्य में योगदान देती है।
- पारदर्शी खरीद के प्रति उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को **राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।**
  - राज्य को कुल ऑर्डर मूल्य और उच्चतम सेवा खरीद सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया है।

सरकारी ई मार्केटप्लेस (GeM)

- GeM एक **100% सरकारी स्वामित्व वाला और राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल है** जो विभिन्न सरकारी विभागों / संगठनों / सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में शुरू की गई थी।**
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं की सुविधा के लिये ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है, जिससे उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त होता है और **सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाया जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-becomes-first-state-to-fully-adopt-gem